गोमती रिवर फ्रंट का ज्यादातर काम पूरा हो चुका है। यहां फ्लड लाइट्स लगाने का काम अंतिम चरण में है। इसके चलते शाम होते ही गोमती के किनारे दूधिया रोशनी में जगमगाने लगते हैं।

जुलाई के आखिर तक तैयार हो जाएंगे गोमती रिवरफ्रंट के पार्क

गोमती की खूबसूरती ने ली अंगड़ाई

■ संवाददाता, लखनऊ : गोमती के तट पर जुलाई के आखिर से आप मस्ती कर सकेंगे। सिंचाई विभाग ने हनुमान सेतु से लामार्ट्स कॉलेज तक नदी के दोनों तरफ सौंदर्यीकरण का काम पूरा करने का दावा किया है। 22 अप्रैल को मुख्यमंत्री की समीक्षा में अधिकारियों ने इससे रिपोर्ट दी है। इसके तहत नदी के दोनों किनारों पर एलईडी लाइटिंग और पौधरोपण का काम पूरा कर लिया जाएगा। घास लगाने के साथ ही वाई-फाई की सुविधा भी शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने अक्टूबर तक पूरा प्रोजेक्ट खत्म करने की डेडलाइन भी दी है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता रूप सिंह यादव ने बताया कि गांधी सेतु पुल के पास ऐसी कवायद की गई है। रात में यहां पर कलर फुल लाइट्स के बीच गोमती नदी का बेहतर व्यू दिखाई देता है। लोग इसे रुककर देखते हैं।

■ सिंचाई विभाग ने मुख्यमंत्री को दी रिपोर्ट, अक्टूबर तक प्रोजेक्ट खत्म करने के निर्देश

जुलाई तक पार्क बनाने और सुंदरीकरण के काम पूरे कर लेंगे। दोनों किनारों पर हाईमास्ट लाइटिंग का काम पूरा हो जाएगा। इससे पहले सभी नालों को डायवर्ट कर दिया जाएगा। अक्टूबर तक सड़कों का भी काम पूरा हो जाएगा।

– रूप सिंह यादव, अधिशासी अभियंता, सिंचाई विभाग

नदी किनारे एलईडी लाइट्स

रूप सिंह ने बताया कि दोनों तरफ नदी के किनारे हाई मास्ट एलईडी लाइटिंग की जाएगी। इसके लिए पोल लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। कई स्थानों पर लाइट भी लगाई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों ही तरफ पार्क बनाने का भी काम शुरू कर दिया गया है। गांधी बैराज के पास फूलों का एक पार्क बनाया भी जा रहा है। जहां 33 प्रजातियों के फूल और अन्य पौधे रोपे गए हैं। ऐसी ही क्यारी लामार्ट्स बॉयज स्कूल से लेकर हनुमान सेतु तक बनाई जाएगी। डायफ्रॉम वाल के किनारों की मिट्टी छटकर तटों को खूबसूरत बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। जुलाई के आखिर तक घास लगाने का भी काम पूरा कर लिया जाएगा।

दो महीने में डायवर्ट होंगे सभी नाले

रूप सिंह ने बताया कि गोमती किनारे 12 किमी तक दोनों तरफ डायफ्राम वॉल का काम पूरा कर लिया गया है। वहीं, 9 किमी तक इंटरसेप्टर ड्रेन भी बनाई जा चुकी है, बाकी का काम 20 मई तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद गोमती में गिरने वाले 22 से अधिक नालों को ड्रेन की मदद से डायवर्ट कर शहर से बाहर कर दिया जाएगा। नालों को बंद करने के बाद नदी की फिर से ड्रेजिंग कराई जाएगी।